पाकिस्तानी जासूस

\+

62\. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री रघुनाथ सिंह :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री यशपाल सिंह :
श्री रामेश्वरानन्द :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री भागवत झा आजाद :
श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री जसवन्त मेहता :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जालन्धर में पाकिस्तानी जासूसों के गिरोह का एक केन्द्र है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पुलिस ने एक दर्जन व्यक्ति गिरफ्तार किये हैं ;

(ग) यदि हां, तो उनमें भारतीय और पाकिस्तानी राष्ट्रजनों की पृथक्-पृथक् संख्या कितनी है और उनके क्या नाम हैं; और

(घ) उनके कब्जे से बरामद की गई वस्तुओं का विवरण क्या है और इस मामले में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय में प्रतिरक्षा संभरण मंत्री (श्री हाथी): (क) और (ख). मार्च 1966 में कुछ व्यक्ति जिनमें एक पाक नागरिक भी शामिल था, पाकिस्तान के लिये जासूसी करने के आरोप में जालंधर में गिरफ्तार किये गये।

(ग) और (घ). मामले की अभी तक जांच की जा रही है और इस स्थिति में आगे ब्यौरा बताना जन-हित की दृष्टि से ठीक नहीं होगा क्योंकि इसे बताने से जांच की कार्यवाही पर असर पड़ सकता है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : जो लोग पकड़े गए हैं उनके पास ऐसी कौन सी सामग्री मिली है ? क्या कुछ ऐसे हथियार या कुछ ऐसे कागजात उन लोगों के पास से मिले हैं जोकि जासूसी करते पकड़े गये हैं, यदि हां, तो वह किस-किस प्रकार के हथियार या कागज थे ?

श्री हाथी : क्या क्या उन पाकिस्तानी जासूसों के पास से मिला है वह सब तो मैं नहीं बतला सकूंगा लेकिन हथियार नहीं मिले हैं इतना मैं कह सकता हूं।

श्री हुकम चन्द कछवाय: यह जो लोग पकड़े गये हैं क्या उनसे पूछताछ से कुछ इस बात की जानकारी मिली है कि इस प्रकार के उनके गिरोह के जासूस देश में और भी स्थानों में फैले हुए हैं, यदि हां, तो उन्हें पकड़ने के लिए सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

श्री हाथी : अभी सारी बात हम नहीं बतला सकते हैं क्योंकि जैसा कि मेम्बर साहब ने कह ऐसे क्लूज़ और इस प्रकार की बहुत सी बातें आई हैं और बशर्ते कि हम उस बारे में कुछ बात न करें, उन का पता लगाना आसान होगा वरना उसमें बहुत मुश्किल होगी।

Shri P. C. Borooah: Not only in Jullundur on the West Pakistan border but also in Assam on the East Pakistan border, spying activities are rampant. One Mr. Mohit Choudhury who is a Pakistani Muslim spy . . .

Mr. Speaker: Can the Minister remember one individual?

Shri P. C. Borooah: One Mr. Mohit Choudhury who is a Pakistani Muslim spy, after coming to India, married 3 Bengali girls, 2 Assamese girls and one Bihari girl, and was carrying on spying activities and he was arrested at Ghatshela in May last. He made the confession before the Magistrate wherein the names of several Indians also appeared. The Central Government wanted those persons to be apprehended. But nothing has been done up till now. May I know whether the Punjab Government is also

following the same course in handling the spying activities in Punjab on the West Pakistan border?

Shri Hathi: This question relates only to Jullundur. So far as West Bengal and other cases are concerned, I will require notice . . (*Interruptions*).

Shri Tyagi: One misunderstanding has been created. The hon. Member has said that the Bengal Government has flouted the instructions of the Central Government. That at least may be clarified. Is it a fact that the Home Minister directed the Bengal Government to get some people arrested and they flouted the instructions?

Shri Surendranath Dwivedy: The State Government did not support because some persons working in the All India Congress Committee office are connected with this matter. Therefore, the State Government is not helping even in arresting those having complicity with the Pakistan spies.

Shri Hathi: There is no question of any State Government flouting the instructions of the Central Government.

Shrimati Renu Chakravartty: Has he been arrested?

Mr. Speaker: He may answer this question.

Shri Hathi: I have no information.

Mr. Speaker: Mr. Prakash Vir Shastri.

Shri Hem Barua: I rise on a point of order.

Mr. Speaker: There is no point of order. Mr. Prakash Vir Shastri.

Shri Hem Barua: He should give definite information . .

Mr. Speaker: Mr. Prakash Vir Shastri.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : श्रीमन्, भारत और पाकिस्तान संघर्ष के बाद जलन्धर के अतिरिक्त भी क्या पंजाब के दूसरे क्षेत्रों में कुछ इस प्रकार के पाकिस्तानी जासूसों का पता लगा है जो वहां आ कर बस गये थे और सरकारी और अर्ध सरकारी नौकरियों में काम कर रहे थे वहां आ कर उन्होंने विवाह आदि भी कर लिये, यदि हां, तो उन की क्या संख्या है और दूसरे यह कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बाद ही यह ढूंढ ढांढ क्यों प्रारम्भ हुई उस से पहले सरकार हमारी इतनी सतर्क क्यों नहीं रही ?

श्री हाथी: जी हां, पंजाब के कुछ स्थानों में ऐसे लोग काम करते हैं जिन का कि पता लगा है । पहले भी लगा था और इस के पहले भी कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : उन की संख्या कितनी है ?

श्री हाथी : पंजाब की तो नहीं बाकी सब मिला कर 80–85 होगी ।

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि यह जासूस जो पाकिस्तान से आते हैं और यहां आ कर मिल जाते हैं तो क्या उन लोगों के बारे में यह पता लगा है कि मुसलमानों के अतिरिक्त वे हिन्दू, सिक्ख और ईसाईयों आदि के साथ भी रहते हैं ?

श्री हाथी : मैं समझा नहीं ।

अध्यक्ष महोदय : उन का कहना यह है कि यहां जो इंडियन सिटीजन्स रहते हैं वे पाकिस्तानी लोग उन के साथ मिल कर रहते हैं और यह कि यहां के लोग उन की मदद करते हैं ।

श्री हाथी : दो प्रकार के लोग है । एक तो यहां के लोग भी हैं जोकि कुछ जासूसी

का काम करते हैं बाक़ी कुछ लोग ऐसे भी हैं जोकि वहां से यहां आये हैं और यहां के रहने वाले इंडियन सिटीजंस के साथ रहते हैं और अपना अवांछनीय काम करने लगे ।

श्री भागवत झा आज़ाद : हाल के कुछ महीनों में पाकिस्तानी जासूसों की गतिविधियां जम्मू-काश्मीर जैसे स्थानों में बढ़ गयी हैं और वहां पर राज्य सरकार चूंकि अब उन के खिलाफ कार्यवाही कर रही है तो उन से बचने के लिए पाकितानी जासूसों ने जालन्धर आदि ऐसे स्थानों में अपने अड्डे बना रखे हैं, अगर यह बात सच है तो इन अड्डों को तोड़ने के लिए सरकार क्या क़दम उठा रही है ?

श्री हाथी : नहीं ऐसा तो नहीं है कि वहां काश्मीर से निकल कर यहां आये हैं बल्कि यहां पहले से ही पंजाब में कुछ काम करते थे और वहां से उन को गिरफ्तार भी किया गया है बाक़ी जैसे जैसे उन के खिलाफ कार्यवाही में तेज़ी हुई है और भी लोग पकड़े जा रहे हैं ।

श्री बड़े : क्या यह बात सच है कि जालन्धर का जो आप ने कहा कि एक पाकिस्तानी सिपाही पकड़ा गया है तो वह कितने साल से यहां काम कर रहा था और उस वक्त जालन्धर की पुलिस ने उस के खिलाफ तो कोई ऐक्शन क्यों नहीं लिया ?

श्री हाथी : मैंने कहा कि कुछ लोगों के खिलाफ तो ऐक्शन लिया भी था और कुछ लोगों को पकड़ा भी बाक़ी यह सही है कि कुछ लोग अभी भी हैं जोकि पकड़े नहीं गये हैं और हम उन्हें भी तलाश करके पकड़ेंगे ।

श्री बड़े : वह कितने सालों से यहां था ?

श्री हाथी : दो, एक सालों से था ।

Shri S. C. Samanta: May I know whether the incriminating papers that were seized from those spies have been examined, and whether any clue in other border States has been found?

Shri Hathi: As I have said, we have got some material and that is being examined. That is why I have said that we would not give further details because it leads to certain clues also or it is likely to lead to certain clues also.

श्री उ० मू० त्रिवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि क्या हमारी सी० आई० डी० ऐसी कार्रवाइयों से बिल्कुल अनभिज्ञ रहती है या सोई हुई रहती है । हमारे जैसे पोलिटिकल वर्कर्स जो होते हैं उनके पीछे तो पांच-पांच छ:-छ: और सात-सात आदमी लगा दिए जाते हैं लेकिन जो जासूस दूसरी जगहों से आये होते हैं उनकी इतनी भी तलाश नहीं होती कि गंगोत्री माउन्टेन पर चढ़ने के वास्ते गुजरात की जो स्टूडेन्ट्स लड़कियां भेजी गई थीं उनके नेता के बारे में आप को यह पता लगता कि वह पाकिस्तानी जासूस थी ।

श्री हाथी : जलंधर में जो पकड़े गये ह उनमें कोई पोलिटिकल वर्कर नहीं था ।

श्री उ० मू० त्रिवेदी : यह पोलिटिकल बात नहीं है तो क्या है ।

श्री हाथी : मैं ने जो कहा वह यह कि जो 80 या 85 आदमी जासूसों के रूप में पकड़े गये हैं उनमें कोई भी अपोजीशन पार्टीज का या पोलिटिकल वर्कर नहीं है ।

एक माननीय सदस्य : नहीं, नहीं, ऐसी बात नहीं है ।

श्री हाथी : यही बात है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : जब हम लोगों के पीछे सी० आई० डी० लगाते हैं तो और लोगों के पीछे भी सी० आई० डी० लगाइये ।

अध्यक्ष महोदय : इस तरह से तो आखिर नहीं बोलना चाहिये । मैंने बार-बार दरख्वास्त की कि जब जवाब चल रहा है तो दर्म्यान में कोई न बोले. . . . (व्यवधान)

श्री रघुनाथ सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि. . . . (व्यवधान)

Mr. Speaker: Order, order. I might be allowed to proceed.

श्री हुकम चन्द कछवाय: पहले गुजरात के बारे में तो जवाब दिलवाइये ।

अध्यक्ष महोदय : मैं उस की इजाजत नहीं देता ।

श्री रघुनाथ सिंह : मैं जानना चाहता हूं कि क्या इधर थोड़े दिनों से काश्मीर में पाकिस्तानी जासूसों की कार्रवाइयां कुछ ज्यादा हो रही है और बहुत सी पाकेट्स वहां पर ऐसी बन गई हैं जहां भारत के विरुद्ध काम हो रहा है । अगर ऐसी बात है तो काश्मीर में कितने आदमी अरेस्ट किये गये हैं ।

गृह-कार्य मंत्री (श्री नन्दा) : काश्मीर में कुछ दिन हुए मैंने जा कर सारी हालत देखी और मैं समझता हूं कि वहां बड़ा अच्छा काम हुआ है और उन्होंने बड़ी सफलता से वहां पर जो जो सैल्स बन गई थीं उन को अनअर्थ किया । मैं कह सकता हूं कि वहां पर जो उन लोगों का नेट वर्क था वह करीब करीब तोड़ दिया गया है ।

एक माननीय सदस्य : वहां पर अरेस्ट कितने हुए हैं ।

श्री नन्दा : पिछले दिनों में काफी लोग अरेस्ट हुए हैं ।

श्री शयामलाल सर्राफ : कितने भाग गये ।

श्री नन्दा : भाग भी गये होंगे यह भी सम्भव है । 100 फी सदी कामयाबी नहीं हुई है लेकिन बहुत ज्यादा कामयाबी हुई है . . . . (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं दरख्वास्त करूंगा कि मुझे कोई ऐसी मशीनरी दे दी जाये जिस से मैं "आर्डर, आर्डर" कहता चला जाऊं । मैं बोलता रहता हूं और अपना गला खराब करता रहता हूं लेकिन कोई सुनता ही नहीं है ।

Shri Sham Lal Saraf: May I know how many officers who were arrested had gone away? How many of the arrested officers had left?

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री ओंकार लाल बेरवा: आप मंत्रियों से दरख्वास्त कीजिये कि जो पूछा जाय वह उस का जवाब दें ।

एक माननीय सदस्य : श्री सर्राफ ने जो पूछा है उस का जवाब दिया जाये ।

Shri Sham Lal Saraf: I want to ask a very important question.

Mr. Speaker: I had not called the hon. Member. I cannot proceed in this manner. Unless I call an hon. Member he should not begin asking questions.

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार यह बतला सकती है कि जो हिन्दुस्तानी मुनाफाखोर लाखों करोड़ों रुपये पाकिस्तान को दे रहे हैं, चीनी पाकिस्तान को दे रहे हैं, कपड़ा पाकिस्तान को दे रहे हैं, यहां की इन्फार्मेशन पाकिस्तान को दे रहे हैं, वह जासूसों की श्रेणी में आते हैं या नहीं । अगर आते हैं तो कितने हिन्दुस्तानी मनाफाखोरों को सजा दी गई है और कितनों के चालान हुए हैं ।

अध्यक्ष महोदय: इस सवाल की इजाजत नहीं दी जा सकती ।

I do not allow that.

श्री यशपाल सिंह : यह बड़ा जरूरी सवाल है कि वह लोग जासूसों की श्रेणी में आते हैं या नहीं ।

अध्यक्ष महोदय : मेरी मुश्किल यह है कि फैसला करना मेरा काम है कि इस तरह का सवाल यहां पर आ सकता है या नहीं ।

Shri Kapur Singh: May I know whether some information is available about any arrests having been made in Pakistan on the allegation that they are Indian spies?

Shri Hathi: I would require notice of that question.

अध्यक्ष महोदय : श्री हेम बरुआ ।

श्रीमती सहोदराबाई राय अध्यक्ष महोदय, . . .

अध्यक्ष महोदय : मैंने इस तरफ के माननीय सदस्य को बुलाया है ।

Shri Hem Barua: Is it a fact that Pakistani spies in India are having the active help and support, moral and financial, of certain Pakistan diplomatic missions in this country? If so, what steps have been taken to destroy and disrupt this link that has been fostered in this country between these spies and certain Pakistani diplomatic missions?

Shri Hathi: So far as this question is concerned, we have got some clues about the links. The police are trying to further look into the matter and take action against those officers.

Shri Hem Barua: My question was specific.

Mr. Speaker: And that was inadmissible. This was only about the arrests that have been made in Jullundur, not any other thing.

Shri Hem Barua: Jullundur is part of India.

Mr. Speaker: And India is part of the greater world.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । अगर किसी प्रश्न के उत्तर में मंत्री महोदय की ओर से कोई इस प्रकार का उत्तर दिया जाये जिस से दूसरे राज्यों की समस्या आ जाये और उत्तर में मंत्री महोदय इस राज्य या उस राज्य की सरकार को कोई प्रमाण पत्र दे दें तो क्या माननीय सदस्यों को यह अधिकार नहीं है कि वह उस राज्य से सम्बन्धित प्रश्न पूछ सकें ।

अध्यक्ष महोदय : यह तो सवाल पर मुनहस्सर होगा । जब वह सामने आयेगा तब मैं इस का फैसला करूंगा ?

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : काश्मीर सरकार को उन्होंने जो प्रमाणपत्र दिया है उस के बारे में. . . .

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने काश्मीर सरकार को जो प्रमाण पत्र दिया वह भी गलत था ।

Shri Sham Lal Saraf: I seek your guidance.

Mr. Speaker: I have to decide not to give guidance.

Shri Sham Lal Saraf: Who else is to give us guidance then?

Mr. Speaker: No, no. I cannot give guidance. If a matter comes up, I have to decide.

Shri Sham Lal Saraf: I am sorry we cannot get guidance from you. I do not know from whom we can get it then.

श्रीमती सहोदराबाई राय : अध्यक्ष महोदय, मुझे मौका ही नहीं दिया गया ।

Mr. Speaker: The most thankless job is that of the Speaker.